मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MJY-007

स्नातकोत्तर कला उपाधि (एम. ए. जे. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2023

एम.जे.वाई.-007 : संहिता ज्योतिष

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र* **दो** *खण्डों में है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

भाग—क $3 \times 20 = 60$

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

1. दकार्गल से क्या समझते हैं ? पठित अंश के आधार पर दकार्गल के प्रतिपाद्य का वर्णन कीजिए।

2. संहिता ज्योतिष का विस्तृत परिचय लिखिए।

3. दैवज्ञ क्या है ? दैवज्ञ लक्षण का विस्तार से विवेचन कीजिए।

4. पठित अंश के आधार पर आदित्यचार का वर्णन कीजिए।

5. ग्रहचार के अन्तर्गत बुधचार का क्या स्वरूप है ? विस्तार से वणन कीजिए।

6. किन्हीं **दो** संहिताकारों के कर्तृत्व पर प्रकाश डालिए।

भाग—ख $(4 \times 10 = 40)$

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।*

1. ग्रहचार में शुक्रचार का सैद्धान्तिक स्वरूप क्या है ? वर्णन कीजिए।

2. केतुचार की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए तथा इसकी विधि का वर्णन कीजिए।

3. सारांश रूप में अगस्त्यचार का वर्णन कीजिए।

4. ज्योतिष में वृष्टि का विचार किस प्रकार किया जाता है? सैद्धान्तिक वर्णन कीजिए।

5. कूर्मचक्र से क्या समझते हैं ? सोदाहरण वर्णन कीजिए।

6. आदित्यचार और चन्द्रचार में अन्तर लिखिए।

7. कूर्मचक्र का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

8. प्राकृतिक उत्पाद से क्या समझते हैं ? सैद्धान्तिक वर्णन कीजिए।